विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

दस पिल्लरों के मजबूत आधार से लिखी जा रही 2047 के राजस्थान की इबारत

वैसे तो यह परंपरा रही है कि किसी भी सरकार का बजट हो और कितना ही विजनरी बजट हो पर सत्ता पक्ष उसके गुणगाण में लगता है तो विपक्ष कमियां ही कमियां देखने में जुट जाता है। इसलिए वित्तमंत्री दिया कुमारी के 2 घंटे 54 मिनट के 143 पेज के बजट को लेकर आलोचना-प्रत्यालोचना से अलग हटकर देखना ही सही मायने में उसके साथ न्याय हो सकता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार के तीसरे बजट में खास बात यह है कि यह बजट दूरगामी सोच यानी कि 2047 की राजस्थान की इबारत लिखने का बढ़ता कदम है। इस बजट को विजनरी बजट इस मायने में कहा जा सकता है कि पहली बार किसी बजट को समग्रता से रखा गया है। भजनलाल सरकार ने बजट को प्रदेश के समग्र विकास की दृष्टि से दस पिल्लरों का ठोस आधार दिया है। इसे यों भी समझा जा सकता है कि प्रदेश के विकास के दस पिल्लरों से 2047 के राजस्थान का रोडमैप तैयार किया जा रहा है। पिल्लर्स भी इस तरह से तैयार किये गये हैं जिससे किसी तरह के संदेह की गुजांइस नहीं रह जाती है। आधारभूत संरचना से लेकर 4.3 ट्रिलियन डॉलर की इकोनोमी का रोडमैप इस बजट में देखा जा सकता है।

राजस्थान की सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट को 10 पिल्लरों का आधार दिया है। वैसे तो सभी दस पिल्लर्स अपने आपमें अपना महत्व रखते हैं पर जिस तरह से इन पिल्लरों को प्राथमिकता दी गई है उससे यह साफ हो गया है कि प्रदेश के विकास का सशक्त आधार तय करने पर जोर दिया गया है। बजट में पहला पिल्लर इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार का है तो अन्य पिल्लरों में क्रमशः नागरिक सुविधाओं में गुणात्मक जीवन स्तर में सुधार, औद्योगिक विकास और निवेश प्रोत्साहन, मानव संसाधन सशक्तिकरण, सुदृढ सामाजिक सुरक्षा प्रणाली, पर्यटन, कला सांस्कृतिक धरोहर, सुशासन-डिजिटल परिवर्तन, कृषि विकास-किसान कल्याण, हरित विकास-पर्यावरण सततता और आखिरी व 10 वां पिल्लर 2047 का राजस्थान का है। देखा जाएं तो यह सभी दसों पिल्लर राजस्थान और राजस्थानवासियों के समग्र विकास और प्रदेश की अर्थ व्यवस्था को चरणबद्ध रुप से गति देने वाले होने के साथ ही विकसित राजस्थान, शिक्षित राजस्थान, निरोगी राजस्थान, समृद्ध किसान-और खेती, औद्योगिक विकास, रोजगार और स्वरोजगार के विपुल अवसर, खनन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति गंभीरता को दर्शाता है। खास बात यह है कि प्रदेश के बजट में अरावली संरक्षण के प्रति दर्द भी है तो संरक्षण के प्रति गंभीरता भी स्पष्टता दिखाई देती है।

देखा जाएं तो यह सभी दसों पिल्लर राजस्थान और राजस्थानवासियों के समग्र विकास और प्रदेश की अर्थ व्यवस्था को चरणबद्ध रुप से गति देने वाले होने के साथ ही विकसित राजस्थान, शिक्षित राजस्थान, निरोगी राजस्थान, समृद्ध किसान-और खेती, औद्योगिक विकास, रोजगार और स्वरोजगार के विपुल अवसर, खनन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति गंभीरता को दर्शाता है। खासबात यह है कि प्रदेश के बजट में अरावली संरक्षण के प्रति दर्द भी है तो संरक्षण के प्रति गंभीरता भी स्पष्टता दिखाई देती है।

किसी भी देश या प्रदेश के विकसित देश या प्रदेश होने की पहली शर्त आज की बदलती दुनिया की तस्वीर में संरचनात्मक सुविधाओं के विस्तार की होती है। निर्बाध आवागमन के लिए सड़कों का जाल, आवागमन साधनों की सहज उपलब्धता, पानी-बिजली की सहज उपलब्धता, शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाओं की सहज उपलब्धता और बेहतर कानून व्यवस्था आदि-आदि। यह भी साफ हो जाता है कि किसी भी राज्य के तेजी से विकास की राह इन्हीं आधारभूत सुविधाओं के मार्ग से निकलती है। आज राजस्थान तेज गति से विकास की राह पर बढ़ रहा हैं। जब पानी-बिजली, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य की आधारभूत सुविधाएं और बेहतर कानून व्यवस्था किसी भी देश या प्रदेश में निर्बाध उपलब्ध होती है तो विकास की राह अपने आप खुलने लगती है। देशी-विदेशी निवेश आने लगता है तो औद्योगिक विकास से रोजगार और आय के साधन विकसित होते हैं। सांस्कृतिक धरोहरों को संजोने से पर्यटन को बढ़ावा मिलता है और इससे इकोनोमी को बूस्ट मिलता है। सबसे बड़ी बात तो यह कि जब समग्र विकास की रुपरेखा बनती है तो फिर निवासियों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव आता ही है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजनरी सोच को इस तरह से समझा जा सकता है कि सरकार के पहले साल में ही राइजिंग राजस्थान का आयोजन कर औद्योगिक निवेश के करार किये गये। उसके बाद लगातार मोनेटरिंग का परिणाम है कि ग्राउण्ड ब्रेकिंग के प्रयासों में तेजी आई है। इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी राजस्थानियों को मातृभूमि से जोड़ने की जो पहल प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजन से की है और अब प्रतिवर्ष इसके आयोजन का निर्णय किया है इसके भी सकारात्मक प्रयास आने ही हैं। क्योंकि प्रवासी राजस्थानियों ने अपने उद्यम कौशल से देश-दुनिया में डंका बजा रखा है और अब सरकार की पहल से इसका लाभ प्रदेश को मिलना ही है। क्योंकि प्रवासी राजस्थानी राजस्थान में आधारभूत सुविधाओं और निवेश अनुकूल माहौल से प्रेरित होकर प्रदेश में निवेश के लिए आगे आएंगे ही और इसका एक बड़ा कारण सरकार का प्रोएक्टिव रोल व दूसरा सरकार द्वारा प्रवासियों को अपनी मातृभूमि से जोड़ने की भावनात्मक पहल है।

सवाल यह नहीं है कि किस क्षेत्र के लिए कितना बजट दिया गया है या किस क्षेत्र को अधिक प्राथमिकता दी गई है अपितु यह है कि समग्र रुप से दसों पिल्लर अपने-अपने क्षेत्रों में परफारमेंस दिखाते हैं तो 2047 की सशक्त इमारत तैयार होने से कोई नहीं रोक सकता। राज्य के बजट को इस दृष्टि से भी देखने की आवश्यकता है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शुक्रवार 13 फरवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, मूल नक्षत्र सायं 4:16 तक, वज्र योग रात्रि 3:23 तक, बालव करण दिन 2:26 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

कुमार योग सूर्योदय से दिन 2:26 तक है। राजयोग सायं 4:13 से सूर्योदय तक है। आज विजया एकादशी व्रत, संक्रांति पुण्य काल पूर्वान्ह में है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 8:32 तक, लाभ-अमृत 8:32 से 11:18 तक, शुभ 12:41 से 2:04 तक, चर 4:50 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:09, सूर्यास्त 6:13

मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उचित सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय रहेगा। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कन्या

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

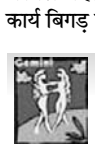

मिथुन

परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

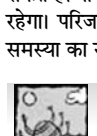

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

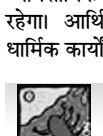

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

राजस्थान बजट 2026-27 : सुदृढ़ कानून व्यवस्था से समृद्धि

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट सुरक्षा और समृद्धि के संतुलित समन्वय का दस्तावेज है

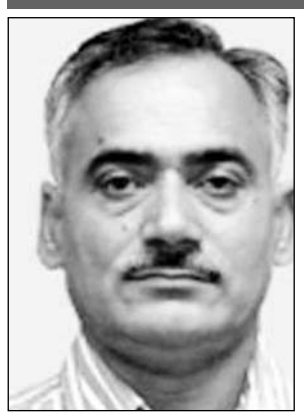

ओ. पी. गल्होत्रा

राजस्थान का बजट 2026-27 विकास की रूपरेखा होने के साथ ही सुरक्षित और विश्वासपूर्ण समाज के निर्माण का भी स्पष्ट संकल्प है। किसी भी राज्य की प्रगति का वास्तविक आधार उसकी कानून-व्यवस्था होती है। यदि नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करें, निवेशक निश्चिंत होकर पूंजी लगाएँ, महिलाएँ और बच्चे भयमुक्त वातावरण में जीवन जी सकें, तभी विकास के सभी आंकड़े सार्थक सिद्ध होते हैं। इस दृष्टि से देखा जाए तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट सुरक्षा और समृद्धि के संतुलित समन्वय का दस्तावेज है।

कुल 6 लाख 10 हजार 956 करोड़ रुपये के आकार वाला यह बजट न केवल आर्थिक विस्तार को दर्शाता है, बल्कि प्रशासनिक और सुरक्षा तंत्र के सुदृढ़ीकरण की स्पष्ट दिशा भी देता है। बजट में किए गए प्रावधान प्रदेश में कानून-व्यवस्था को आधुनिक, जवाबदेह और तकनीक-सक्षम बनाने की व्यापक योजना प्रस्तुत करते हैं।

बजट में पुलिस बल की संरचनात्मक मजबूती पर जोर दिया गया है। रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती और प्रशिक्षण व्यवस्था के आधुनिकीकरण का निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण है। लंबे समय से पुलिस बल पर बढ़ते कार्यभार को देखते हुए यह आवश्यक था कि बल की संख्या और क्षमता दोनों में वृद्धि हो। नए पुलिसकर्मियों की नियुक्ति से थानों में लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण होगा और गश्त व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी। इससे अपराध की रोकथाम में प्रत्यक्ष सुधार देखने को मिलेगा।

डिजिटल युग में अपराध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी और डिजिटल ठगी जैसे मामलों में वृद्धि के परिप्रेक्ष्य में प्रत्येक संभाग में अत्याधुनिक साइबर क्राइम यूनिट की स्थापना का निर्णय दूरदर्शी कदम है। इससे न केवल अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी में तेजी आएगी, बल्कि आम नागरिकों में डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।यह पहल दर्शाती है कि सरकार भविष्य की चुनौतियों के लिए वर्तमान में तैयारी कर रही है।

महिला सुरक्षा इस बजट की प्राथमिकताओं में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। प्रत्येक जिले में महिला सहायता डेस्क और विशेष अन्वेषण प्रकोष्ठ की स्थापना से पीड़ित महिलाओं को त्वरित और संवेदनशील सहायता मिलेगी। महिला अपराधों की जांच के लिए समयबद्ध प्रणाली और फास्ट ट्रैक दृष्टिकोण से न्याय की प्रक्रिया में गति आएगी। यह संदेश भी जाएगा कि राज्य सरकार महिला सुरक्षा के प्रश्न पर किसी प्रकार की ढिलाई बरतने के पक्ष में नहीं है।

पुलिस थानों के आधुनिकीकरण और डिजिटल केस मैनेजमेंट प्रणाली का विस्तार कानून-व्यवस्था में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। सीसीटीएनएस के उन्नयन और डेटा इंटीग्रेशन से अपराधियों का ट्रैक रिकॉर्ड तुरंत उपलब्ध होगा, जिससे अपराध नियंत्रण की प्रक्रिया अधिक सटीक और त्वरित बनेगी। संवेदनशील क्षेत्रों में स्मार्ट सर्विलांस और सीसीटीवी नेटवर्क का विस्तार सार्वजनिक स्थलों पर निगरानी व्यवस्था को मजबूत करेगा, जिससे अपराध की संभावनाएं स्वतः कम होंगी। सामुदायिक पुलिसिंग को प्रोत्साहन देने का निर्णय भी उल्लेखनीय है। कानून-व्यवस्था केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना का परिणाम होती है। नागरिकों और पुलिस के बीच संवाद को मजबूत कर विश्वास का वातावरण बनाया जा सकता है। सामुदायिक सहभागिता से स्थानीय स्तर पर विवादों का समाधान शीघ्र होगा और असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगेगा।

पुलिस कर्मियों के आवास, कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य सहायता कार्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान भी इस बजट की संवेदनशीलता को दर्शाते हैं। निरंतर दबाव में कार्य करने वाले पुलिस बल के मनोबल को बनाए रखना उतना ही आवश्यक है जितना कि तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराना। जब बल संतुष्ट और प्रेरित होगा, तो उसका प्रदर्शन भी बेहतर होगा। इन सभी पहलों का परिणाम प्रदेश की समग्र कानून-व्यवस्था की स्थिति में स्पष्ट सुधार के रूप में सामने आया है। संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी और महिला अपराधों के मामलों में सख्त कार्रवाई से अपराधियों में भय और नागरिकों में विश्वास का वातावरण बना है। निवेशकों के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध होने से औद्योगिक गतिविधियाँ बढ़ी हैं और पर्यटन क्षेत्र में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

विकास और सुरक्षा परस्पर पूरक हैं। जब राज्य की सकल घरेलू उत्पाद 21 लाख 52 हजार करोड़ रुपये से अधिक पहुँचने का अनुमान हो, प्रति व्यक्ति आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो, शिक्षा और स्वास्थ्य पर रिकॉर्ड निवेश हो, तो यह सब तभी सार्थक है जब समाज सुरक्षित हो। 53 हजार 978 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय, शिक्षा के लिए 69 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान और स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े निवेश भी अंततः उसी सामाजिक स्थिरता पर निर्भर करते हैं, जिसकी नींव मजबूत कानून-व्यवस्था से पड़ती है।

कृषि, जल प्रबंधन और महिला सशक्तिकरण जैसी योजनाएँ सामाजिक असमानताओं को कम करती हैं और इससे अपराध के सामाजिक कारणों में कमी आती है। युवाओं को रोजगार के अवसर, पारदर्शी भर्ती प्रणाली और कौशल विकास कार्यक्रम समाज को सकारात्मक दिशा देते हैं। इस प्रकार यह बजट अपराध नियंत्रण को केवल दंडात्मक दृष्टि से नहीं, बल्कि संरचनात्मक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी देखता है। समग्र रूप से राजस्थान बजट 2026-27 यह स्पष्ट संदेश देता है कि सरकार विकास को सुरक्षा से अलग नहीं मानती। आधुनिक पुलिसिंग, तकनीकी सशक्तिकरण, महिला सुरक्षा, सामुदायिक सहभागिता और पुलिस कल्याण आदि सभी आयामों के माध्यम से प्रदेश में एक सुरक्षित, स्थिर और निवेश-अनुकूल वातावरण निर्मित करने का प्रयास किया गया है।

इन घोषणाओं के समयबद्ध और पारदर्शी क्रियान्वयन से राजस्थान न केवल आर्थिक प्रगति के मानकों पर, बल्कि कानून-व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी देश के अठाणी राज्यों में स्थान प्राप्त करेगा।

–ओ. पी. गल्होत्रा,
महानिदेशक पुलिस (सेनि.)

समृद्ध राजस्थान की ओर निर्णायक कदम है प्रदेश का बजट

सीए सुनील भार्गव

राजस्थान का बजट 2026-27 आय-व्यय का औपचारिक दस्तावेज़ होने के साथ ही राज्य की विकास-दृष्टि का सुसंगठित घोषणापत्र है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री एवं वित्तमंत्री श्रीमती दिया कुमारी द्वारा प्रस्तुत यह बजट स्पष्ट संकेत देता है कि सरकार अल्पकालिक लोकलुभावन उपायों के बजाय दीर्घकालिक संरचनात्मक सुधारों के माध्यम से समृद्ध प्रदेश के संकल्प को साकार करना चाहती है। लगभग 6.11 लाख करोड़ रुपये के बजट आकार के साथ यह वित्तीय खाका विकास, सुशासन और सामाजिक संतुलन पर आधारित है।

राजकोषीय प्रबंधन की दृष्टि से यह उल्लेखनीय है कि सरकार ने विकास व्यय में वृद्धि करते हुए भी वित्तीय अनुशासन बनाए रखा है। राजकोषीय घाटे (79 हजार करोड़ से अधिक) का सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 3.69 प्रतिशत रहना यह दर्शाता है कि सरकार ने जिम्मेदार वित्तीय नीति को प्राथमिकता दी है। अनुमानित 21.52 लाख करोड़ रुपये का सकल घरेलु उत्पाद राज्य की अर्थव्यवस्था के विस्तार की संभावनाओं को रेखांकित करता है।

किसी भी राज्य की समृद्धि का आधार उसका आधारभूत ढांचा होता है। बजट में सड़कों, फ्लाईओवर, रेलवे ओवरब्रिज, बाईपास और राज्य राजमार्गों के विस्तार एवं उन्नयन के लिए 1800 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह निर्माण कार्य आर्थिक गतिविधियों की गति बढ़ाने की रणनीति है। क्षतिग्रस्त सड़कों के लिए 1400 करोड़, अटल प्रगति पथ के लिए 500 करोड़ एवं राज्य राजमार्ग के लिए 2700 करोड़ से सड़को की स्थिति बेहतर होगी। इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की स्थापना और प्रमुख मार्गों पर आधुनिक निगरानी तंत्र का विस्तार शहरीकरण की चुनौतियों का तकनीकी समाधान प्रस्तुत करता है। इससे सड़क सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और पारदर्शिता में सुधार होगा।

पेयजल क्षेत्र में मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के विस्तार और 5 हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव राज्य की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करता है। बीसलपुर परियोजना से जलापूर्ति सुदृढ़ करने के लिए नई ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण दीर्घकालिक जल सुरक्षा का संकेत है। ऊर्जा क्षेत्र में 4,830 मेगावाट क्षमता के सौर पार्कों के विकास की योजना राजस्थान को अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राष्ट्रीय अग्रणी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह हरित विकास और आर्थिक आत्मनिर्भरता का संतुलित मॉडल प्रस्तुत करता है।

राज्य सरकार ने उद्योगों के लिए 'प्लग एंड प्ले' सुविधा, लॉजिस्टिक हब और इनलैंड कंटेनर डिपो की स्थापना जैसे कदम उठाकर निवेश वातावरण को सुदृढ़ करने का संकेत दिया है। -2024 के तहत मैन्युफैक्चरिंग के साथ सेवा क्षेत्र को भी प्रोत्साहन देना औद्योगिक विस्तार की व्यापक दृष्टि को दर्शाता है। सरकार ने वर्ष 2047 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह लक्ष्य तभी संभव है जब निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन को समानांतर गति दी जाए और बजट में इन तीनों आयामों को स्पष्ट रूप से संबोधित किया गया है।

समृद्ध प्रदेश की परिकल्पना युवाओं की सहभागिता के बिना अधूरी है। चार लाख भर्तियों के संकल्प की दिशा में एक लाख से अधिक नियुक्तियाँ और निजी क्षेत्र में दो लाख से अधिक रोजगार सृजन का उल्लेख राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वर्तमान में 1.43 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन होना प्रशासनिक सक्रियता का संकेत है। 'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना' के तहत 1,000 करोड़ रुपये का प्रावधान युवाओं को उद्यिमता की ओर प्रेरित करेगा। शिक्षा क्षेत्र में 400 विद्यालयों को - स्कूलों में उन्नत करने हेतु 1,000 करोड़ रुपये का निवेश गुणवत्ता सुधार का ठोस प्रयास है। आधारित पर्सनलाइज्ड लर्निंग लैब्स और डिजिटल मेंटरिंग कार्यक्रम यह संकेत देते हैं कि सरकार शिक्षा को तकनीकी नवाचार से जोड़कर भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाना चाहती है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में आधुनिक विश्राम गृहों और जेके लॉन हॉस्पिटल में 500 बेड के टॉवर के निर्माण हेतु बड़े पैमाने पर निवेश प्रस्तावित है । मानसिक स्वास्थ्य के लिए - कार्यक्रम और जिला स्तर पर मेंटल हेल्थ केयर सेल की स्थापना यह दर्शाती है कि सरकार स्वास्थ्य को केवल शारीरिक उपचार तक सीमित नहीं मानती। महिलाओं के लिए ऋण सीमा में वृद्धि, 'नंद घर' मॉडल की आंगनबाड़ियों का विस्तार और लखपति दीदी योजना सामाजिक सशक्तीकरण की दिशा में ठोस कदम हैं।

कृषि क्षेत्र में 11,300 करोड़ रुपये से अधिक की सिंचाई परियोजनाएँ और 50 हजार सौर पंप संयंत्रों की योजना किसान हितैषी दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। 35 लाख से अधिक किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त फसली ऋण का प्रावधान ठाामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करेगा। राज मिशन के माध्यम से कृषि उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने का प्रयास कृषि को मूल्य संवर्धन और निर्यात से जोड़ता है।

'हरियालो-राजस्थान' के अंतर्गत 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य पर्यावरणीय प्रतिबद्धता का प्रमाण है । जल संरक्षण के लिए 2.0 के तहत व्यापक निवेश और वन्यजीव संरक्षण हेतु परियोजना हरित विकास की व्यापक सोच को दर्शाती है । कार्बन क्रेडिट पायलट परियोजना और औद्योगिक अपशिष्ट जल प्रबंधन के लिए निर्माण यह संकेत देते हैं कि औद्योगिक विकास को पर्यावरणीय संतुलन के साथ जोड़ा गया है।

व्हाट्सएप प्लेटफॉर्म पर 100 सेवाओं की शुरुआत, मिनी ई-मित्र मॉडल और - जैसी पहलें प्रशासन को पारदर्शी, उत्तरदायी और डेटा-आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। बजट 2026-27 एक समग्र विकास दृष्टि प्रस्तुत करता है जिसमें अवसंरचना, उद्योग, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण के बीच संतुलित तालमेल दिखाई देता है।

इस बजट से स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार केवल घोषणाएँ नहीं, बल्कि परिणामोन्मुख नीतिगत ढाँचा स्थापित करना चाहती है। यदि प्रस्तावित योजनाओं का समयबद्ध और पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ, तो यह बजट राजस्थान को आर्थिक मजबूती के साथ सामाजिक समृद्धि की नई ऊँचाइयों तक ले जा सकता है। समृद्ध प्रदेश का संकल्प अब नीतिगत दस्तावेज़ में रूपांतरित हो चुका है, अब परीक्षा उसके प्रभावी क्रियान्वयन की है।

–सीए सुनील भार्गव,
आर्थिक मामलों के जानकार

राजस्थान बजट 2026-27 : विकास की नई ऊंचाइयां और वित्तीय मजबूती का प्रमाण

डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत

राजस्थान सरकार ने 2026-27 के लिए 6.11 लाख करोड़ रुपये (लगभग 6 लाख 10 हजार 956 करोड़) का बजट पेश किया है, जो पिछले बजट की तुलना में 42 प्रतिशत की अप्रत्याशित उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दीया कुमारी द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत इस बजट में राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार तेजी से बढ़ने का प्रमाण मिलता है-41.39 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अब यह 21.52 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचने का अनुमान है। प्रति व्यक्ति आय 1.67 लाख से बढ़कर 2.02 लाख रुपये हो गई है, जो सरकार की कुशल नीतियों और संरचनात्मक सुधारों का परिणाम है। यह बजट न केवल आकार में बड़ा है, बल्कि विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर और जन-कल्याण पर केंद्रित है, जो विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

बजट के आकार में यह वृद्धि राजस्थान की आर्थिक प्रगति का स्पष्ट संकेत है। पिछले वर्षों में जीएसडीपी की वृद्धि दर उच्च रही-2022-23 में 15.2 , 2023-24 में 11.5 प्रतिशत, और 2024-25 में 17 प्रतिशत। 2025-26 के लिए जीएसडीपी 19.89 लाख करोड़ रुपये अनुमानित था, जो 16.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। अब 2026-27 में 21.52 लाख करोड़ रुपये का अनुमान राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान कर रहा है। यह वृद्धि कृषि, उद्योग, रिन्यूएबल एनर्जी और सेवाओं जैसे क्षेत्रों में विविधीकरण से संभव हुई है। कृषि जीएसडीपी का लगभग 27-30 प्रतिशत योगदान देती है, जबकि उद्योग और सेवाएँ क्रमशः 27 प्रतिशत और 46 प्रतिशत के आसपास हैं। सरकार ने इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ाकर राज्य को राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में मजबूत स्थान दिलाया है।

पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) इस बजट की सबसे मजबूत विशेषता है। इंफ्रास्ट्रक्चर पर अब तक का सर्वाधिक आवंटन किया गया है-सड़कों, पुलों, जल आपूर्ति और सौर ऊर्जा पर फोकस। उदाहरणस्वरूप, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नल जल पहुँचाने के लिए 6,800 करोड़ रुपये, बीकानेर और जैसलमेर में नए सोलर पार्क्स के लिए 3,000 करोड़ रुपये (विशेष रूप से 2,950 करोड़ का प्रावधान), और कुल इंफ्रास्ट्रक्चर पर 3,427 करोड़ रुपये का प्रस्ताव। 42,000 किमी नई सड़कों का निर्माण, 6,500 गांवों में जल कनेक्शन, सिग्नल-फ्री शहर, पीएम आवास योजना का विस्तार, और ड्रेनेज-सड़क लाइट जैसी योजनाएँ शामिल हैं।

केंद्र सरकार के 12.2 लाख करोड़ रुपये के कैपेक्स से प्रेरित होकर राजस्थान भी इंफ्रास्ट्रक्चर-लेड ग्रोथ को प्राथमिकता दे रहा है। इससे रोजगार सृजन होगा, निवेश आकर्षित होगा, और राज्य की आर्थिक क्षमता मजबूत होगी।

अर्थव्यवस्था के आकार में वृद्धि और कैपेक्स बढ़ोतरी से राज्य की समग्र प्रगति स्पष्ट है। राइजिंग राजस्थान माध्यम से 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश आकर्षित हुए, जिनमें से 8 लाख करोड़ के प्रोजेक्ट्स ठाांउंड पर हैं। यह डबल इंजन सरकार की सफलता है। कृषि क्षेत्र में 25,000 करोड़ रुपये के ब्याज-मुक्त लोन, युवाओं के लिए मुख्यमंत्री स्व-रोजगार योजना में 30,000 युवाओं को 10 लाख तक ब्याज-मुक्त लोन, 400 इनोवेटिव स्कूल, होमगार्ड में 5,000 नए पद, और फ्री इलाज जैसी योजनाएँ आमजन की सेवा में सरकार की प्रतिबद्धता दिखाती हैं। एमएसएमई, पर्यटन, और रिन्यूएबल एनर्जी पर फोकस से राज्य को ऊर्जा सुरक्षा और रोजगार का हब बनाया जा रहा है।

फिस्कल डिसिप्लिन बनाए रखते हुए यह विकास संभव हुआ है। राजस्व प्राप्तियाँ मजबूत हुई हैं-केंद्रीय करों से 90,445 करोड़ रुपये प्राप्ति। राजस्व घाटा और फिस्कल घाटा नियंत्रित स्तर पर हैं, जबकि कैपेक्स बढ़ रहा है। पिछले वर्षों में राजस्व घाटा जीएसडीपी का 1.6-1.9 प्रतिशत रहा, जो बेहतर प्रबंधन दर्शाता है। सरकार ने उधार को उत्पादक उपयोग में लगाया, जिससे भविष्य में ब्याज बोझ कम होगा और विकास टिकाऊ बनेगा।

यह बजट युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों के लिए आशा की किरण है। 100 से अधिक योजनाएँ, रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण और समावेशी विकास का मॉडल पेश करता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के सिद्धांत पर चल रही है। यह बजट राजस्थान को विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से ले जाएगा और 2029 में राज्य की 350 बिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की तरफ तेज कदम होगा ।

लेखक राजस्थान भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता है।

- डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत